BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

हिंदी

कक्षा- आठ

पाठ

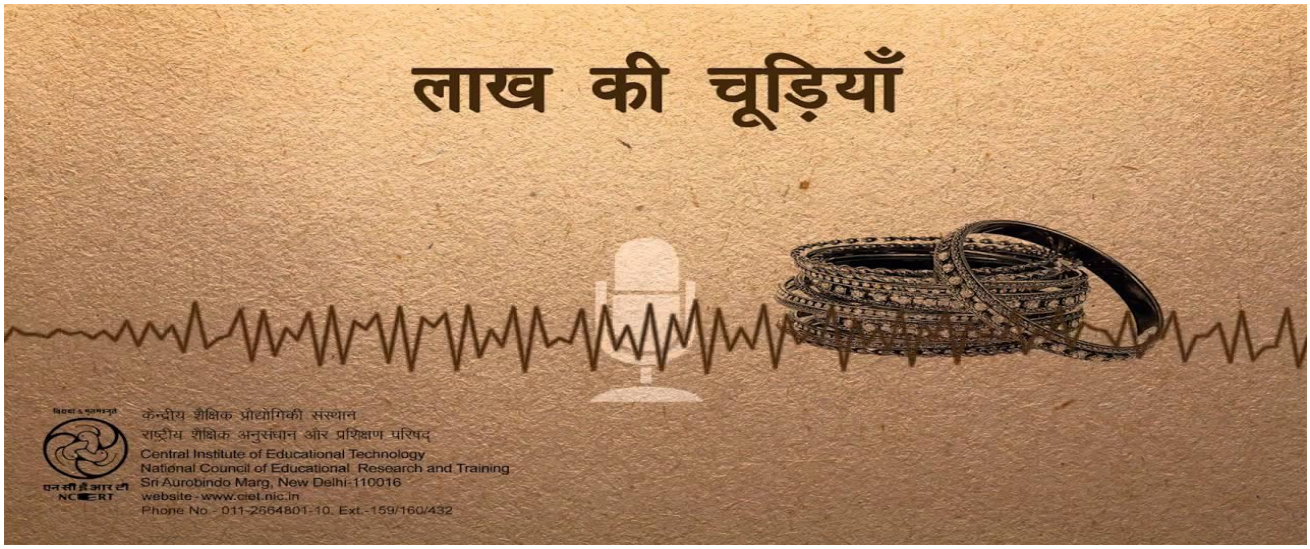

निर्देश-

1)लाख की चूड़ियाँ पाठ का अध्ययन करने के लिए निम्नलिखित लिंक का प्रयोग कीजिए

https://youtu.be/iU20K59c9GY

http://ncertbooks.prashanthellina.com/8_Hindi.html

2) विद्यार्थी पाठ की सहायता से समस्त कार्य हिंदी की अभ्यास पुस्तिका में करेंगे।

3) अभ्यास पुस्तिका की जाँच स्कूल खुलने के बाद की जाएगी ।

परिचय

कामतानाथ की कहानी “लाख की चूड़ियाँ” शहरीकरण और औद्योगिक विकास से गाँव के उद्योग के ख़त्म होने के दुख को चित्रित करती है। यह कहानी रिश्ते-नाते के प्यार में रचे-बसे गाँव के सहज सम्बन्धो में बिखराव और सांस्कृतिक नुकसान के आर्थिक कारणों को स्पष्ट करती है।

यह कहानी एक बच्चे और बदलू मामा की है। जो उसे लाख की गोलियाँ बनाकर देता है और वह बच्चा इस बात से बहुत खुश होता है। धीरे-धीरे समय बीतता है और वह बच्चा बड़ा होने के बाद एक बार फिर गाँव आता है और बदलू से मिलकर औपचारिक बात करते हुए उसे मालुम होता है की गांव में “लाख की चूड़ियाँ” बनाने का कामकाज लगभग ख़त्म हो रहा है।

बदलू इस बदलाव से दुखी है किन्तु वो अपने उसूल नहीं त्यागता तथा साथ ही अपना जीवन चलाने के लिए कई और रास्ते निकाल लेता है। इस कहानी में लेखक विपरीत परिस्थितियों में भी अपने उसूल को न त्यागने की सीख देता है तथा उन्हें इस बात पर संतोष भी है।

पाठ का सार

इस पाठ के द्वारा लेखक लघु उद्योग की ओर पाठको का ध्यान करवा रहे है। वे कहते हैं कि बदलते समय का प्रभाव हर वस्तु पर पड़ता है। बदलू व्यवसाय से मनिहार है। वह अत्यंत आकर्षक चूड़ियाँ बनाता है। गाँव की स्त्रियाँ उसी की बनाई चूड़ियाँ पहनती हैं। बदलू को काँच की चूड़ियों से बहुत चिढ़ है। वह काँच की चूड़ियों की बड़ाई भी नहीं सुन सकता तथा कभी-कभी तो दो बातें सुनाने से भी नहीं चूकता ।

शहर और गाँव की औरतों की तुलना करते हुए वह कहता है कि शहर की औरतों की कलाई बहुत नाजुक होती है। इसलिए वह लाख की चूड़ियाँ नहीं पहनती है। लेखक अकसर गाँव जाता है तो बदलू काका से जरूर मिलता है क्योकि वह उसे लाख की गोलियां बनाकर देता है। परन्तु अपने पिता जी की बदली हो जानेे की वजह से इस बार वह काफी दिनों बाद गाँव आता है।

वह वहां औरतों को काँच की चूड़ियाँ पहने देखता है तो उसे लाख की चूड़ियों की याद हो आती है वह बदलू से मिलने उसके घर जाता है।बातचीत के दौरान बदलू उसे बताता है कि लाख की चूड़ियों का व्यवसाय मशीनी युग आने के कारण बंद हो गया है और काँच की चूड़ियों का प्रचलन बढ़ गया है।

इस पाठ के द्वारा लेखक ने बदलू के स्वभाव, उसके सीधेपन और विनम्रता को दर्शाया है। मशीनी युग से आये परिवर्तन से लघु उद्योग की हानि परप्रकाश डाला है। अंत में लेखक यह भी मानता है कि काँच की चूड़ियों के आने से व्यवसाय में बहुत हानि हुई हो किन्तु बदलू का व्यक्तित्व काँच की चूड़ियों की तरह नाजुक नहीं था जो सरलता से टूट जाए।

कठिन शब्दों के अर्थ

- चाव – चाह, रुचि, तीव्र इच्छा
- सलाख – सलाई, धातु की छड़
- मुँगरी – गोल, मुठियादार लकड़ी जो ठोकने-पीटने के काम आती है
- पैतृक – पूर्वजों का, पिता से प्राप्त या पुश्तैनी
- खपत – माल की बिक्री
- वस्तु विनिमय – पैसों से न खरीदकर एक विनिमय वस्तु के बदले दूसरी वस्तु लेना
- कसर – घाटा पूरा करना, कमी
- नाजुक – कोमल
- पगड़ी – सिर पर लपेट कर बाँधा जाने वाला लंबा कपड़ा, पाग
- मरहम-पट्टी- जख्म का इलाज, घाव पर दवा लगाकर पट्टी बाँधना
- मचिया – बैठने के उपयोग में आने वाली सुतली आदि से बुनी छोटी
- मुखातिब – देखकर बात करना
- डलिया – बाँस का बना एक छोटा पात्र
- फबना – सजना, शोभा देना

अभ्यास

प्रश्न- 1 बदलू कौन था?

प्रश्न-2 बदलू ने जमींदार साहब को चूड़ियाँ क्यों नहीं दी थी?

प्रश्न-3 बदलू को गाय क्यों बेचनी पड़ी थी?

प्रश्न-4 शादी विवाह के अवसरों पर बदलू का क्या रवैया रहता?

प्रश्न- 5 लेखक को अपने मामा के गाँव जाने का सबसे बड़ा चाव क्या था?

अनुमान व कल्पना

1)क्या वर्तमान समय में वस्तु विनिमय प्रणाली चलाना मुमकिन है?तर्क सहित उत्तर लिखिए।

2)जिस प्रकार से मशीनी युग ने भारत की तस्वीर ही बदल दी थी,क्या उसी प्रकार कोरोना त्रासदी के बाद एक नये युग का आरंभ होगा? अपने विचार विस्तार से लिखिए।

रचनात्मक गतिविधि

भारत के किन किन राज्यों में कौन कौन-सी वस्तुएं लाख से बनाईं जातीं हैं? एक तालिका बनाए।

व्याकरण _

निम्नलिखित चित्र मेंं पाठ की सहायता से उत्तर लिखिए ।

पांच विशेषण
बदलू की कोई तीन विशेषताएं
लाख की चूड़ियाँ
मशीनी युग का बदलू के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा
पांच जातिवाचक संज्ञा